राजेश रंजन, भा.पु.से.
Rajesh Ranjan, IPS

महानिदेशक
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल
Director General
Central Industrial Security Force
13, C.G.O. Complex, Lodhi Road,
New Delhi - 110003
Tel.: 011-24361125, Fax : 011-24361202
E-mail : dg@cisf.gov.in

अपील

हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर मेरी शुभकामनाएं

भाषा समाज का दर्पण होती है। हिंदी भाषा विश्व की प्राचीनतम भाषाओं में से एक है। देश के स्वतंत्रता आंदोलन में भी हिंदी भाषा ने एक कड़ी का काम किया है। हिंदी का अध्ययन–अध्यापन अन्य देशों के बारह सौ से अधिक विश्वविद्यालयों में हो रहा है। सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नित नए टीवी चैनलों और हिंदी समाचार पत्रों की लोकप्रियता और प्रसार संख्या ने जन संचार माध्यमों के क्षेत्र में हिंदी की शक्ति का अहसास कराया है। कम्प्यूटर पर भी हिंदी में काम करना अब आसान हो गया है। 14 सितम्बर, 1949 को हिंदी को संघ की राजभाषा के रुप में स्वीकार किया गया। इस दिवस का स्मरण करते हुए तथा राजभाषा हिंदी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दर्शाने के लिए देशभर में 14 सितम्बर को हिंदी दिवस के रुप में मनाया जाता है।

बल मुख्यालय में राजभाषा हिंदी में अधिकाधिक कार्यालयीन कार्य करने के लिए एक उपयुक्त वातावरण बनाया गया है तथा सभी अधिकारी एवं कर्मचारी हिंदी की उत्तरोतर वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसके लिए मैं सहायक निदेशक/राजभाषा श्रीमती नमिता श्रीवास्तव के सतत् प्रयासों की प्रशंसा करता हूँ। महात्मा गांधी जी ने कहा था – "जनता की बात जनता की भाषा में होनी चाहिए।" हमें भी अपने कार्यालय की भाषा को कठिन न बनाकर उसे एक सरल रुप में प्रस्तुत करना चाहिए।

जहॉ राष्ट्र–हित में राजभाषा में काम करना हमारा संवैधानिक कर्त्तव्य है वहीं राष्ट्र–हित में देश के कल्याण के लिए अपना योगदान देना हमारा नैतिक कर्त्तव्य है। हिंदी दिवस के इस शुभ अवसर पर मैं आपसे हिंदी भाषा से इतर भी कुछ कहना चाहूँगा। आप सभी जानते हैं कि आज हमारे देश के कई हिस्से जल संकट से जूझ रहे हैं। अतः आप भी जल संचयन में यथाशक्ति अपना योगदान दें। हम यह भी जानते हैं कि प्लास्टिक का अत्यधिक प्रयोग हमारे लिए एक ख़तरा बन चुका है। अतः मैं आपसे यह भी अपील करना चाहूँगा कि आप प्लास्टिक का प्रयोग बंद कर पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान प्रदान करें। साथ ही आप अपने स्वास्थ्य पर भी ध्यान दें और एक स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण में सहायक बनें।

मैं, बल मुख्यालय तथा अधीनस्थ सभी कार्यालयों/इकाईयों से यह अपील करता हूँ कि आप राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय के वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए गंभीरता से प्रयास–रत रहें तथा राजभाषा हिंदी में कार्य करने से संबंधित अपनी झिझक को दूर करें। प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी अपने कार्यालयों/इकाईयों में उत्साहपूर्वक हिंदी पखवाड़े का आयोजन करें।

हिंदी हमारी शान है, देश का अभिमान है। देश की यह आशा, हिंदी है राजभाषा।

जय हिंद।

(राजेश रंजन)
महानिदेशक/केऔसुब